The Minister of Steel and Heavy Industries (Shri C. Subramaniam): At the instance of the State Government necessary tests are being conducted both in Norway and the German Democratic Republic to determine the technical and economic feasibility of the project. Some tests are also being carried out by the National Metallurgical Laboratory, Jamshedpur. The results of these tests are being awaited.

तेल की पाइप लाइन

*१३०. { **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री विद्याचरण शुक्ल :
श्री प्र० क० गोपालन :
श्री कुन्हन :
श्री हेम बरुआ :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्री प्र० सि० सहगल :

क्या **खान और ईंधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नतकटिया से नूनमती तक बनाई जाने वाली प्रस्तावित पाइप लाइन अपने नियत समय पर नहीं बन सकी और उस में कुछ बाधा आ गई है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस से कारखाने की क्षमता पर भी कुछ प्रभाव पड़ा है;

(ग) यदि हां, तो इस विलम्ब के फलस्वरूप कितनी हानि हुई है;

(घ) यह पाइप लाइन बनाने वाली कम्पनी कौन थी तथा किन कारणों से वह अपना काम यथासमय न कर सकी; और

(ङ) भविष्य के लिये क्या व्यवस्था सोची गई है जिस से कारखाने में पूरा काम होता रहे ?

खान और ईंधन मंत्री (श्री के० दे० मालवीय) :

(क) जी हां।

(ख) तथा (ग). आयल इण्डिया लि० और भारतीय शोधनशालाओं लि० के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा इन तथ्यों का परीक्षण किया जा रहा है।

(घ) मैसर्स बर्मा आयल कम्पनी (पाइप लाइन) को नाहरकटिया से बरौनी तक सम्पूर्ण लाइन का अभिकल्पन (designing) और निर्माण कार्य सौंपा गया था। पाइप लाइन के निर्माण के लिये मुख्य ठेकेदार मैसर्ज मन्नेसमन्न-सेपेम (Mannesmann-Saipem) हैं।

ठेकेदारों द्वारा पाइप लाइन के निर्माण में होने वाली सूचित की गयी देरी के निम्नलिखित मुख्य कारण हैं:—

(१) १९६१ में विशेष रूप से अधिक तथा असामयिक वर्षा का होना;

(२) ब्रह्मपुत्र नदी में असामान्य बाढ़ों के कारण उत्पन्न होने वाली यातायात सम्बन्धी कठिनाइयां; और

(३) रेल द्वारा कम सुविधाओं की प्राप्ति।

(ङ) पाइप लाइन और तत्सम्बन्धी सुविधायें पूरी हो चुकी हैं और शोधनशालाओं की आवश्यकताओं को पूरा किया जायेगा।

Kolar Gold Mines

*131. **Shri Hanumanthaiya:** Will the Minister of **Finance** be pleased to state to whom the gold produced in Kolar Gold Field was sold:

(i) prior to nationalisation;

(ii) after nationalisation; and

(iii) at what rates?

The Deputy Minister in the Ministry of Finance (Shri B. R. Bhagat): Gold produced in these mines was being sold in the open market at the prevailing market prices both before and after nationalisation. From July 1958, the entire output is being taken over by the Central Government at the international parity price of